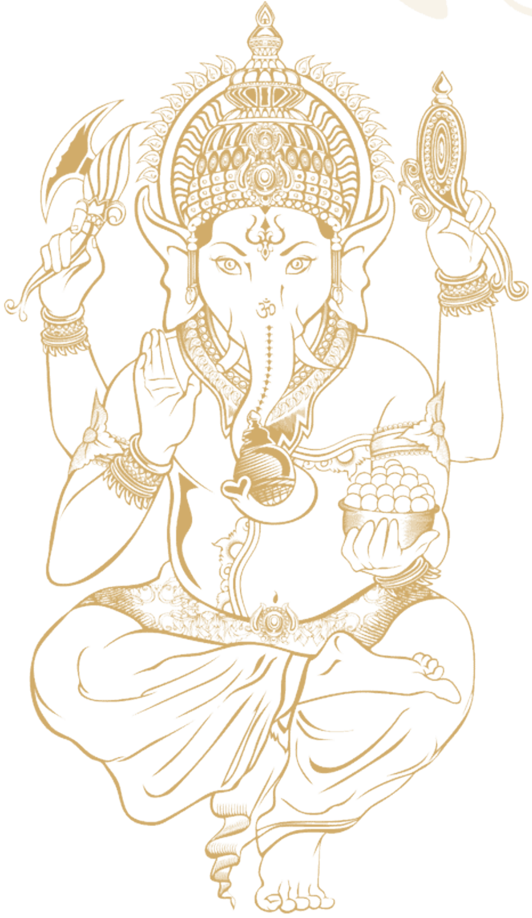

Dr. Maitri Bhardwaj

18 Nov 2003

12:24 AM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120184904

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17-18/11/2003	जन्म तिथि	**17/11/2025**
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 00:24:00	जन्म समय	15:41:02 घंटे
घटी 43:55:36	जन्म समय(घटी)	22:06:44 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:45	सूर्योदय	06:50:20
17:22:06	सूर्यास्त	17:22:15
23:54:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:10
सिंह	लग्न	मीन
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
सिंह	राशि	तुला
सूर्य	राशि-स्वामी	शुक्र
मघा	नक्षत्र	चित्रा
केतु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	3
ऐन्द्र	योग	आयुष्मान
तैतिल	करण	गर
मू-मुकेश	जन्म नामाक्षर	रा-राखी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मृग
22	गत/तत्कालिक वर्ष	23

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	3	07:48:53	सिंह			लग्न			मीन	29:55:49	4	रेवती
विशाखा	4	01:05:41	वृश्चिक			सूर्य			वृश्चिक	01:05:41	4	विशाखा
मघा	3	08:26:30	सिंह			चंद्र			तुला	00:03:05	3	चित्रा
पू०भाद्रपद	1	20:40:09	कुंभ			मंगल		अ	वृश्चिक	15:05:25	4	अनुराधा
अनुराधा	4	14:24:18	वृश्चिक		अ	बुध	व	अ	वृश्चिक	07:57:42	2	अनुराधा
पू०फाल्गुनी	3	21:40:10	सिंह			गुरु	व		कर्क	00:52:41	4	पुनर्वसु
ज्येष्ठा	3	24:35:31	वृश्चिक			शुक्र			तुला	18:55:15	4	स्वाति
आर्द्रा	4	18:51:20	मिथु	व		शनि	व		मीन	01:02:28	4	पू०भाद्रपद
भरणी	4	26:31:56	मेष			राहु	व		कुंभ	21:45:21	1	पू०भाद्रपद
विशाखा	2	26:31:56	तुला			केतु	व		सिंह	21:45:21	3	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	4	05:01:28	कुंभ			मु			मिथु	07:48:53	1	आर्द्रा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

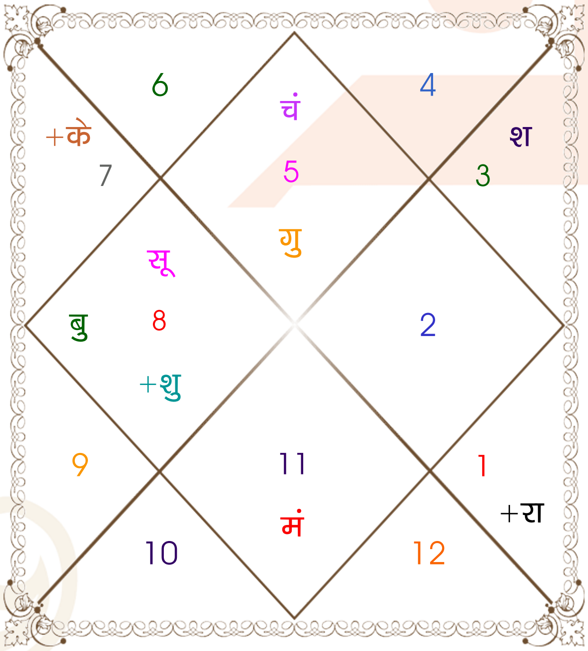

वर्ष लग्न कुंडली

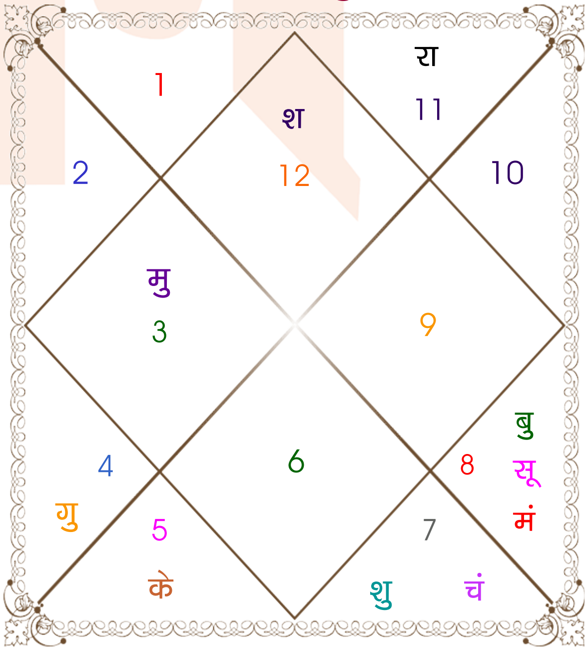

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - केतु - राहु	
07/10/2025 11:10	
10/12/2025 09:13	
राहु	17/10/2025 01:16
गुरु	25/10/2025 13:49
शनि	04/11/2025 16:42
बुध	13/11/2025 18:02
केतु	17/11/2025 11:31
शुक्र	28/11/2025 03:11
सूर्य	01/12/2025 07:53
चंद्र	06/12/2025 15:44
मंगल	10/12/2025 09:13

शुक्र - केतु - गुरु	
10/12/2025 09:13	
05/02/2026 04:49	
गुरु	17/12/2025 23:02
शनि	26/12/2025 22:56
बुध	04/01/2026 00:06
केतु	07/01/2026 07:39
शुक्र	16/01/2026 18:55
सूर्य	19/01/2026 15:06
चंद्र	24/01/2026 08:44
मंगल	27/01/2026 16:16
राहु	05/02/2026 04:49

शुक्र - केतु - शनि	
05/02/2026 04:49	
13/04/2026 16:05	
शनि	15/02/2026 21:12
बुध	25/02/2026 10:36
केतु	01/03/2026 09:03
शुक्र	12/03/2026 14:56
सूर्य	15/03/2026 23:54
चंद्र	21/03/2026 14:50
मंगल	25/03/2026 13:18
राहु	04/04/2026 16:11
गुरु	13/04/2026 16:05

शुक्र - केतु - बुध	
13/04/2026 16:05	
13/06/2026 00:55	
बुध	22/04/2026 05:20
केतु	25/04/2026 17:51
शुक्र	05/05/2026 19:20
सूर्य	08/05/2026 19:46
चंद्र	13/05/2026 20:30
मंगल	17/05/2026 09:01
राहु	26/05/2026 10:20
गुरु	03/06/2026 11:31
शनि	13/06/2026 00:55

सूर्य - सूर्य - सूर्य	
13/06/2026 00:55	
18/06/2026 12:24	
सूर्य	13/06/2026 07:29
चंद्र	13/06/2026 18:27
मंगल	14/06/2026 02:07
राहु	14/06/2026 21:50
गुरु	15/06/2026 15:22
शनि	16/06/2026 12:11
बुध	17/06/2026 06:49
केतु	17/06/2026 14:29
शुक्र	18/06/2026 12:24

सूर्य - सूर्य - चंद्र	
18/06/2026 12:24	
27/06/2026 15:33	
चंद्र	19/06/2026 06:40
मंगल	19/06/2026 19:27
राहु	21/06/2026 04:19
गुरु	22/06/2026 09:33
शनि	23/06/2026 20:15
बुध	25/06/2026 03:17
केतु	25/06/2026 16:04
शुक्र	27/06/2026 04:36
सूर्य	27/06/2026 15:33

सूर्य - सूर्य - मंगल	
27/06/2026 15:33	
04/07/2026 00:58	
मंगल	28/06/2026 00:30
राहु	28/06/2026 23:31
गुरु	29/06/2026 19:58
शनि	30/06/2026 20:15
बुध	01/07/2026 17:59
केतु	02/07/2026 02:56
शुक्र	03/07/2026 04:30
सूर्य	03/07/2026 12:11
चंद्र	04/07/2026 00:58

सूर्य - सूर्य - राहु	
04/07/2026 00:58	
20/07/2026 11:26	
राहु	06/07/2026 12:08
गुरु	08/07/2026 16:44
शनि	11/07/2026 07:11
बुध	13/07/2026 15:04
केतु	14/07/2026 14:05
शुक्र	17/07/2026 07:49
सूर्य	18/07/2026 03:33
चंद्र	19/07/2026 12:25
मंगल	20/07/2026 11:26

सूर्य - सूर्य - गुरु	
20/07/2026 11:26	
04/08/2026 02:04	
गुरु	22/07/2026 10:11
शनि	24/07/2026 17:42
बुध	26/07/2026 19:22
केतु	27/07/2026 15:50
शुक्र	30/07/2026 02:16
सूर्य	30/07/2026 19:48
चंद्र	01/08/2026 01:01
मंगल	01/08/2026 21:28
राहु	04/08/2026 02:04

सूर्य - सूर्य - शनि	
04/08/2026 02:04	
21/08/2026 10:27	
शनि	06/08/2026 20:00
बुध	09/08/2026 06:59
केतु	10/08/2026 07:16
शुक्र	13/08/2026 04:40
सूर्य	14/08/2026 01:29
चंद्र	15/08/2026 12:11
मंगल	16/08/2026 12:29
राहु	19/08/2026 02:56
गुरु	21/08/2026 10:27

सूर्य - सूर्य - बुध	
21/08/2026 10:27	
05/09/2026 23:01	
बुध	23/08/2026 15:14
केतु	24/08/2026 12:58
शुक्र	27/08/2026 03:03
सूर्य	27/08/2026 21:41
चंद्र	29/08/2026 04:44
मंगल	30/08/2026 02:28
राहु	01/09/2026 10:21
गुरु	03/09/2026 12:01
शनि	05/09/2026 23:01

सूर्य - सूर्य - केतु	
05/09/2026 23:01	
12/09/2026 08:25	
केतु	06/09/2026 07:57
शुक्र	07/09/2026 09:32
सूर्य	07/09/2026 17:12
चंद्र	08/09/2026 05:59
मंगल	08/09/2026 14:56
राहु	09/09/2026 13:56
गुरु	10/09/2026 10:24
शनि	11/09/2026 10:41
बुध	12/09/2026 08:25

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्यूनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती है तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आपके लिए समय अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगी फलतः आप में दुर्बलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। अतः आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को पूर्ण करने में असमर्थ रहेंगी। इस समय आपके हृदय में व्याकुलता रहेगी फलतः मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित रहेंगी तथा वे समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आपको काफी परेशानी तथा असुविधा उत्पन्न होगी। इस वर्ष में आपके सामाजिक मान सम्मान में भी न्यूनता के अवसर आ सकते हैं।अतः ऐसे अवसरों की यत्नपूर्वक आपको उपेक्षा करनी चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र में भी आपकी स्थिति सन्तोष जनक नहीं रहेंगी।राजनीति या नौकरी में आपके वरिष्ठ सहयोगी या उच्चाधिकारी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः कार्य क्षेत्र में पदोन्नति संबधी व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही नौकरी आदि छूटने का भी भय रहेगा।व्यापार आदि में भी इस समय आपके लाभ मार्ग अवरुद्ध रहेंगे फलतः कारोबार में कमी रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी। इस समय बेरोजगारों को कार्य मिलने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। अतः इस वर्ष संघर्ष के लिए तत्पर रहें तथा संयमपूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।